

ईरान के इस्लामी इन्कलाब, सेपाहे पासदाराने कुदस फोर्स जनरल और इसलाम व ईरान के प्रमुख कमांडर शहीद कासिम सुलैमानी का अपने जीवन के दर्शन शास्त्र, जिहाद व मजलूमों और दुनिया के डरे बच्चों की रक्षा में शहादत की तमन्ना व कामना के बारे में अपनी बेटी फातिमा के नाम पत्र (खत);

बिस्मिल्ला हिर रहमान निर रहीम

क्या यह नेरा आखिरी सफर है या मेरी किस्मत में कुछ और है। चाहे जो भी हो मैं इससे संतुष्ट हूँ। इस सफर(यात्रा) में यह मैं आपके लिए लिख रहा हूँ ताकि मेरे बिना उदासी में आपके लिए एक यादगार हो। शायद आपको इसमें कोई दर्द भरा शब्द मिले जो आपके काम आये।

हर बार जब सफर शुरू करता हूँ तो मुझे ऐसा लगता है कि आप सबको दुबारा नहीं देख पाऊंगा। रास्ते में कई बार मैंने एक एक करके आप सभी के प्यार भरे चेहरों की अपनी आँखों के सामने कल्पना की है और अकसर आप लोगों की याद में मैंने आंसू बहाए हैं। मैं आप सभी लोगों को याद करता हूँ, मैं तुम्हें अल्लाह को सौंपता हूँ।

हालाँकि मुझे प्यार का इजहार करने का अवसर कम था और मैं उस आंतरिक प्यार को व्यक्त नहीं कर सका। हालाँकि मुझे प्यार का इजहार करने का अवसर कम था और मैं उस आंतरिक प्यार को व्यक्त नहीं कर सका। लेकिन मेरी प्यारी बेटी क्या आपने कभी किसी को अपनी आँखों के सामने , लेकिन उसकी आँखें , ऐसा कम ही होता है ? आईने से कहते देखा है कि वह आपसे प्यार करता है मेरे प्रिया , उसके लिए अधिक मूल्यवान हैं। तुम मेरी आँखें हो। मैं कहूँ या नहीं मैंने हमेशा तुम्हारे बारे में बीस साल से अधिक समय तक चिंता की है यह जीवन समाप्त , और भगवान ने चाहा है , जो कुछ भी मैं इस दुनिया में सोचता हूँ , नहीं होगा और तुम हमेशा भय में सपना देखोगे। मेरी बेटी मैं कुछ और कर सकता हूँ , और करता हूँ आपको कम चिंतित करने के लिए मैंने , देखा कि मैं नहीं कर सकता था और यह सैन्यवाद में मेरी रुचि के कारण नहीं था। यह नौकरी के कारण नहीं , किया गया है और न ही होगा। यह किसी के साथ ज़बरदस्ती या जिद के कारण नहीं किया गया जिद या ज़बरदस्ती के कारण या , जिम्मेदारी , मैं अपनी नौकरी , मेरी बेटी , है। नहीं एक पल के लिए भी आपको चिंतित करने को तैयार नहीं हूँ अकेले में आपको रोने दें , या रूलाएँ

मैंने देखा कि इस दुनिया में हर किसी ने अपने लिए एक रास्ता चुना है एक विज्ञान सीखता है , और दूसरा विज्ञान सीखाता है। एक व्यापार करता है दूसरा खेती करता है और लाखों तरीके हैं या , और हर किसी ने अपने लिए एक , हर इंसान के लिए एक रास्ता है , कहने के लिए बेहतर है रास्ता चुना है। मैंने देखा कि मुझे कौन सा रास्ता चुनना चाहिए। मैंने खुद से सोचा और कुछ मुद्दों की और मूल रूप से मे ? यह रास्ता कितना लंबा है , समीक्षा की और खुद से पूछा सबसे पहले रा गंतव्य क्या है ? मैंने देखा कि मैं और सभी अस्थायी हैं। वे कुछ दिनों के लिए ज़िन्दा हैं और छोड़ कर चल देते हैं। कुछ कुछ साल हैं लेकिन कुछ सौ साल तक पहुंचते हैं। , कुछ दस साल , लेकिन हर कोई साथ छोड़ देता है और हर कोई अस्थायी है। मैंने व्यापार करने के लिए देखा तो देखा कि उका अंतिम परिणाम कुछ चमकदार सिक्के और कुछ घर और कुछ कारें हैं। लेकिन इस दिशा में मेरे भाग्य पर उनका कोई असर नहीं है। मुझे लगा कि मैं तुम्हारे लिए जीऊंगा मैंने देखा कि तुम मेरे लिए बहुत , महत्वपूर्ण और मूल्यवान हो इस , तरह के अगर आपको दर्द महसूस होता है तो दर्द मेरे पूरे अस्तित्व , को होने लगता है। अगर आपको कोई समस्या होती है तो मैं खुद को आग की लपटों के , बीच में पाता



हूं। यदि आप मुझे एक दिन के लिए छोड़ देते होते मेरे , अस्तित्व का बंधन टूट जाएगा। लेकिन मैंने देखा कि मैं इन आशंकाओं और चिंताओं को कैसे हल कर सकता हूं। मैंने देखा कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति से जुड़ना है जो मुझे इस महत्वपूर्ण चीज से ठीक करेगा और वह कोई और नहीं बल्कि , अल्लाह (ईश्वर) है। यह मूल्य और खजाना कि आप मेरे अस्तित्व के फूल हैं धन और शक्ति के साथ , संरक्षित नहीं किया जा सकता है। अन्यथा, अमीर और शक्तिशाली को मृत्यु को रोकना चाहिए या उनका धन और शक्ति उनकी लाइलाज बीमारियों से रोकें और बिस्तर में गिरने वाली बीमारी से बचाएं। इस लिए मैंने अल्लाह (भगवान) और उसके रास्ते को चुना है। यह पहली बार है जब मैंने इस वाक्य को कबूल किया है ; मैं कभी भी सेना में नहीं बनना चाहता था मुझे ग्रेजवेशन , (स्नातक) होना कभी पसंद नहीं था। मैं कासिम के सुंदर शब्दों का उच्चारण करता हूं कि उस बसीजी पासदार के पवित्र मुंह से शहादत का दरजा पाने पर मैं किसी भी पद को पसंद नहीं करता। मैंने चाहता था और चाह रहा हूं कि प्रत्यय और उपसर्ग के बिना मैं कासिम रहूं। इस लिए मैंने वसीयत की के मेरी कब्र पर , केवल फौजी कासिम लिखना , जो कि एक बड़ा व्यक्ति है और दोसरों के भार , कि कासिम सोलेमानी व बोझ बढ़ाता है।

* मेरे प्रिय, मैंने अल्लाह से चाहा कि मेरे अस्तित्व की सभी धमनियों और मेरे रगों के सभी बालों को अपने लिए प्यार से भर दे *। मेरे वजूद (अस्तित्व) को अपने ही प्यार से भर दे। मैंने यह रास्ता इस लिए नहीं चुना के इंसान की हत्या करूं, तुम्हें तो पता है कि मैं मुर्गे के कटते सर को भी नहीं देख सकता। * अगर मैंने हथियार उठाया है तो इन्सान के कातिलों से मुक़ाबले के लिए, इन्सान को मारने के लिए नहीं। * मैं खुद को हर उस मुसलमान के घर में एक सैनिक के रूप में देखता हूं, जो खतरे में है, और मैं चाहूंगा कि भगवान मुझे दुनिया में सभी शोषितों की रक्षा करने में सक्षम होने की शक्ति दे। मैं अपने प्रिय इस्लाम के लिए अपना जीवन नहीं दूंगा, जिसके लिए मेरा जीवन सक्षम नहीं है, ना ही मजलूम शिया के लिए के मैं जिस से कमतर हूं, नहीं... नहीं , ,। लेकिन एक घबराए हुए असहाय बच्चे की मदद के लिए जिसके पास कोई शरण नहीं है उस भयभीत महिला के लिए जो , अपने बच्चे को अपने सीने से लगाए रखती है और मैं उस भागते और सताए गए विस्थापित व्यक्ति के लिए लड़ूंगा जिसने अपने पीछे खून की एक रेखा छोड़ दी है। ,

मेरी प्यारी बेटी जो , मैं उस सेना से संबंधित हूं , सोती नहीं है और उसे सोना भी नहीं चाहिए। ताकि दूसरे लोग चैन की नींद सो सकें। मेरी शांति को उनकी शांति के लिए बलिदान दे दो और उन्हें सोने दो। मेरी प्यारी बेटी आप मेरे घर में सुरक्षित , , सम्मानित और आप गर्व से जिन्दगी जी रही हो, मैं उस असहाय लड़की के लिए क्या करूँ जिसकी फरियाद कोई नहीं सुनता है और वह रोता हुआ बच्चा जिसके पास कुछ नहीं है कुछ नहीं और व ...ह अपना सब कुछ खो चुका है। तो आप मुझे अपने लिए भेंट चढ़ा दो और उनके लिए छोड़ दो । * मुझे जाने दो जाने दो , और जाने दो। मेरा सारा कारवां चला गया और मैं पीछे रह गया।

मेरी बेटी बहुत थक गया हूं। मैं तीस साल से सोया नहीं हूँ लेकिन मैं अब और सोना नहीं चाहता , , मैंने अपनी आँखों में नमक डाला ताकि मेरी पलकें एक साथ बन्द होने की हिम्मत न करें ताकि ऐसा ना हो के मेरी लापरवाही की वजह से उस असहाय बच्चे के सर को काट दें। जब मैं सोचता हूँ कि वह भयभीत लड़की तू है, नार्सिसस है ज़ैनब है और वह किशोर और युवक जिनका कत्लखाने , में सिर कलम किया जा रहा है मेरे हुसैन व रेजा हैं तो आप मुझसे क्या उम्मीद रखती हो? नहीं मैं ऐसे नहीं जी , * सकता।



वससलामु अलैकुम व रहमतुललाह

